Impact Factor (SJIF): 3.965 E-ISSN: 2583-7206

International Journal of All Subject Research

Received: 03/September/2022 IJASR: 2022; 1(3):01-03 Accepted: 06/October/2022

कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा: वैश्विक शिक्षा में एक बदलाव

[*1]आराधना सिंह

[*1]शोधार्थी, मनराखन महतो बी.एड. कॉलेज, रांची, झारखंड, भारत।

सारांश

कोविड-19 महामारी ने विश्व भर की पारंपरिक शिक्षा प्रणालियों को अभूतपूर्व रूप से बाधित किया। विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के अचानक बंद होने के साथ, शैक्षणिक संस्थाओं को ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों पर त्वरित रूप से स्थानांतरित होने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस अचानक बदलाव ने वैश्विक स्तर पर डिजिटल शिक्षा की प्रभावशीलता, समानता और स्थिरता के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए। यह समीक्षा लेख कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा में हुए वैश्विक बदलाव, उभरी चुनौतियों और अवसरों की जांच करती है। इसके साथ-साथ शिक्षा नीति तथा व्यवहार के दीर्घकालिक निहितार्थों का भी मूल्यांकन करती है। 2020 से 2022 के बीच प्रकाशित समीक्षित लेख, संस्थागत रिपोर्टों और नीति दस्तावेजों की व्यवस्थित समीक्षा की गई है। UGC CARE, Google Scholar, और JSTOR जैसे जाने माने साहित्य को चुन कर समीक्षा में उपयोग किया गया है। कोविड-19 महामारी ने शिक्षा में प्रौद्योगिकी को अपनाने में तेजी लाई, जिससे देशों में डिजिटल (मोबाईल, लैपटॉप, एप बेस्ड स्टडी) बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण असमानताएं उजागर हुईं। शिक्षाशास्त्र, मूल्यांकन और शिक्षार्थी जुड़ाव में नवाचार सकारात्मक परिणामों के रूप में उभरे। इस बदलाओ के बाद ऑनलाइन शिक्षा में महामारी-प्रेरित बदलाव ने वैश्विक शिक्षण प्रतिमानों को मौलिक रूप से बदल दिया है। महामारी के बाद की शिक्षा प्रणालियों को हाइब्रिड मॉडल एकीकृत करने चाहिए और समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए।

मुख्य शब्द: ऑनलाइन शिक्षा, कोविड-19, ई-लर्निंग, डिजिटल शिक्षा, महामारी, वैश्विक शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, शैक्षिक प्रौद्योगिकी।

प्रस्तावना

मार्च 2020 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कोविड-19 महामारी ने लगभग 190 देशों के 1.6 अरब से अधिक छात्रों को अपनी कक्षाओं से वंचित हो गए। सरकारों और शैक्षणिक अधिकारियों ने ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर स्थानांतरित होकर सीखने की निरंतरता बनाए रखने का प्रयास किया। यह एक ऐसा परिवर्तन था जिसने अधिकांश संस्थानों के लिए डिजिटल सुधार के वर्षों को महज कुछ हफ्तों में समेट दिया। महामारी से पूर्व, ऑनलाइन शिक्षा मुख्यतः एक पूरक या वैकल्पिक शिक्षण पद्धति के रूप में मौजूद थी। Zoom, Microsoft Teams, Google Classroom जैसे प्लेटफार्म पहले से मौजूद थे, परंतु मुख्यधारा की शिक्षा में इनका उपयोग सीमित था। महामारी ने इस परिदृश्य को मूलरूप से बदल दिया। यह समीक्षा लेख महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा में हुए वैश्विक बदलाव की आलोचनात्मक जांच करता है। यह बदलाव की गति और पैमाने, इससे उजागर हुई असमानताओं, उत्पन्न चुनौतियों और प्रस्तुत अवसरों की पड़ताल करता है।

सामग्री और विधियाँ

यह लेख कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा पर प्रकाशित साहित्य से साक्ष्य को संश्लेषित करने के लिए एक व्यवस्थित समीक्षा पद्धति अपनाता है। ERIC, UGC CARE, Google Scholar और JSTOR डेटाबेस में व्यापक साहित्य खोज की गई। जनवरी 2020 से सितंबर 2022 के बीच प्रकाशित, महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा के कार्यान्वयन या प्रभाव को संबोधित करने वाले, सहकर्मी-समीक्षित और अंग्रेजी में उपलब्ध अध्ययनों को शामिल किया गया। उपयोग किए गए प्रमुख खोज शब्दों में 'online education pandemic,' 'e-learning COVID-19,' 'digital learning global,' 'distance education 2020–2023' शामिल थे। कुल 47 लेखों, रिपोर्टों और नीति दस्तावेजों की पहचान की गई, जिनमें से 19 इस लघु समीक्षा के लिए चुने गए।

परिणाम (Results)

परिवर्तन की गति और पैमाना

ऑनलाइन शिक्षा में यह बदलाव अभूतपूर्व गति से हुआ। UNESCO ने बताया कि अप्रैल 2020 तक, स्कूल बंद होने से वैश्विक छात्र जनसंख्या के 90% से अधिक प्रभावित हुए। Zoom दैनिक 1 करोड़ प्रतिभागियों से बढ़कर अप्रैल 2020 तक 30 करोड़ से अधिक प्रतिभागियों तक पहुंच गया। जो संस्थान पहले डिजिटल तरीकों या कंप्यूटर से पढ़ाई करने के विरोध करते थे उन्हें भी मजबूरी में कुछ

*Corresponding Author: आराधना सिंह

ही दिनों के भीतर ई लर्निंग प्लेटफॉर्म अपनाने पड़े। लॉकडाउन के बाद दो से चार हफ्तों के भीतर पूरी तरह से ऑनलाइन पढ़ाई शुरू कर दी गई।

डिजिटल विभाजन और असमानता

समीक्षित अध्ययनों में सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष शैक्षिक असमानता का गहरा होना था। उप-सहारा अफ्रीका में 2020 तक केवल लगभग 34% घरों में इंटरनेट की पहुंच थी। दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ हिस्सों में, छात्रों के पास व्यक्तिगत उपकरणों या विश्वसनीय बिजली की पहुंच नहीं थी। लड़कियों और हाशिए के समुदायों के छात्रों को लैंगिक मानदंडों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण अतिरिक्त बाधाओं का सामना करना पड़ा।

शिक्षक तैयारी और शैक्षणिक बदलाव

ऑनलाइन शिक्षा में परिवर्तन ने दुनिया भर के शिक्षकों की डिजिटल क्षमताओं की भी परीक्षा ली। Education International (2020) के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 60% से अधिक शिक्षकों को महामारी से पहले डिजिटल शिक्षाशास्त्र में बहुत कम या कोई प्रशिक्षण नहीं मिला था। इसके बावजूद महत्वपूर्ण शैक्षिक नवाचार सामने आए शिक्षकों ने क्रॉस-डिपार्टमेंटल लर्निंग अर्थात अलग-अलग समय पर सीखना, नैनो लर्निंग, गमेंफिकेशन रचनात्मक मूल्यांकन जैसे ओपन बुक एग्जाम्स ऑनलाइन एसेस, असाइनमेंट, के लिए नए दृष्टिकोण विकसित किए गए । फील्ड क्लासरूम मॉडल पर फिर से ध्यान दिया गया। वर्चुअल रिसोर्सेस और ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेस के उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

छात्र शिक्षण परिणाम और मानसिक स्वास्थ्य

महामारी काल के दौरान सीखने के परिणामों पर साक्ष्य मिश्रित थे। कुछ अध्ययनों में शैक्षणिक प्रदर्शन में गिरावट देखी गई 13 देश के हो सर्वेक्षण में पाया गया की चार में से एक युवा ने मानसिक दबाव महसूस किया छात्रों में ध्यान और प्रेरणा की समस्या भी देखी गई। कुछ अध्ययनों में शैक्षणिक प्रदर्शन में गिरावट रिपोर्ट की गई।

उच्च शिक्षा और निरंतर अनुकूलन

उच्च शिक्षा स्तर पर, संस्थाओं ने ऑनलाइन डिग्री कार्यक्रमों, आभासी अनुसंधान सहयोग और डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं के विकास में तेजी लाई। इस संकट ने उच्च शिक्षा के उद्देश्यों और संरचनाओं की व्यापक पुनर्विचार को भी प्रेरित किया।

विवेचना

इस समीक्षा के निष्कर्ष बताते हैं कि कोविड-19 महामारी ने शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन के लिए एक उत्प्रेरक का काम किया। यह महामारी धीरे-धीरे होने वाले एक दशक के क्रमिक अपनाने को महज कुछ महीनों में समेटने जैसा था। हालांकि, यह परिवर्तन न तो एकसमान था और न ही न्यायसंगत। पूर्व-विद्यमान डिजिटल विभाजन और गहरा हो गया, सबसे कमजोर शिक्षार्थियों ने सबसे बड़ा व्यवधान अनुभव किया। जिन देशों ने महामारी से पहले डिजिटल शिक्षा में निवेश किया था, वे काफी बेहतर स्थिति में रहे। शिक्षकों के लिए, महामारी व्यावसायिक विकास की एक परीक्षा थी। प्रारंभिक झटके और अपर्याप्त तैयारी के बावजूद, कई शिक्षकों ने उल्लेखनीय रचनात्मकता और अनुकूलनशीलता प्रदर्शित की। मानसिक स्वास्थ्य प्रभाव एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है जो ऑनलाइन शिक्षा में बदलाव के शुद्ध शैक्षणिक आयामों से परे है। इस समीक्षा की कुछ सीमाएं हैं। संश्लेषित साहित्य मुख्यतः अंग्रेजी भाषा के स्रोतों से था, जो गैर-अंग्रेजी भाषी क्षेत्रों के अनुभवों को कम प्रतिनिधित्व दे सकता है। भविष्य के शोध को दीर्घकालिक परिणाम डेटा और तुलनात्मक अंतर-राष्ट्रीय अध्ययनों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

निष्कर्ष

कोविड-19 महामारी ने आधुनिक इतिहास में वैश्विक शिक्षा में सबसे नाटकीय और दूरगामी बदलाव को जन्म दिया। ऑनलाइन शिक्षा में जबरदस्ती हुए इस बदलाव ने गहरी संरचनात्मक असमानताओं को उजागर किया, साथ ही वास्तविक शैक्षणिक नवाचार को उत्प्रेरित किया और डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाई। जैसे-जैसे विश्व महामारी के तीव्र चरण से आगे बढ़ रहा है, शैक्षिक प्रणालियों के सामने एक महत्वपूर्ण विकल्प है: पूर्व-महामारी मानदंडों पर वापस लौटना, या सीखे गए सबकों का रणनीतिक उपयोग करके अधिक लचीले, समावेशी और नवीन शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना। नीति निर्माताओं, शिक्षकों और संस्थागत नेताओं को डिजिटल बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण, छात्र कल्याण और साक्ष्य-आधारित पाठ्यक्रम डिजाइन में निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए।

आभार

लेखक महामारी काल के दौरान असाधारण परिस्थितियों में तैयार किए गए शोध निकाय के लिए शैक्षिक समुदाय के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। इस समीक्षा के लिए कोई विशेष अनुदान वित्त पोषण प्राप्त नहीं हुआ।

हितों का टकराव और वित्त पोषण स्रोत

लेखक किसी भी हितों के टकराव की घोषणा नहीं करते। इस समीक्षा लेख की तैयारी के लिए कोई बाहरी वित्त पोषण प्राप्त नहीं हुआ।

References

1. Aishworiya R, Kang YQ. Including Children with Developmental Disabilities in the Equation During this COVID-19 Pandemic. *J Autism Dev Disord*. 2022;52(6):2155-2158.
2. Crawford J, Butler-Henderson K, Rudolph J, *et al*. COVID-19: 20 Countries' Higher Education Intra-Period Digital Pedagogy Responses. *J Appl Teach Learn*. 2020;3:1-21.
3. Dash SK, Sidharth R. The five-day work week might be fading away. *The Hindu*. 2022 Jul 19. Available from: https://www.thehindu.com/opinion/op-ed/the-five-day-work-week-might-be-fading-away/article65655152.ece
4. Department of School Education & Literacy Ministry of Human Resource Development. PRAGYATA: Guidelines for Digital Education. 2020.
5. Saha J, Barman B, Chouhan P. Lockdown for COVID-19 and its impact on community mobility in India: An analysis of the COVID-19 Community Mobility Reports, 2020. *Child Youth Serv Rev*. 2020;116:Article 105160.
6. Joshi CAJ. Comparative analysis on the effectiveness of classroom teaching and web-based teaching: teaching quantitative methods & techniques. Postgraduate Studies and Research Department College of Banking and Financial Studies; 2017. p. 1–13. Available from: https://www.cbfs.edu.om/UploadsAll/204-2016-17.pdf
7. Xiang M, Zhang Z, Kuwahara K. Impact of COVID-19 pandemic on children and adolescents' lifestyle behavior larger than expected. *Prog Cardiovasc Dis*. 2020;63:531-532.
8. Masonbrink AR, Hurley E. Advocating for children during the COVID-19 school closures. *Pediatrics*. 2020;146(3):9-9.
9. Mayadas AF, Bourne J, Bacsich P. Online education

today. *Science*. 2009;323(5910):85-89.
10. National Institute of Educational Planning and Administration, Bhushan S. COVID 19 and Higher Education in India. National Institute of Educational Planning and Administration; 2020 Jul. Available from: http://www.niepa.ac.in/download/Final_14th%20July%20COVID%2019%20and%20Higher%20Education.pdf
11. Niranjan PS. Corona Virus Pandemic Impact on Global Education: A Blessing in Disguise. *Sustainable Humanosphere*. 2020;16:68-72.
12. Owusu-Fordjour C, Koomson CK, Hanson D. The Impact of COVID-19 on Learning: The Perspective of the Ghanaian Student. *Eur J Educ Stud*. 2015;7:88-101.
13. *Owusu-Fordjour C, Koomson CK, Hanson D. The Impact of COVID-19 on Learning: The Perspective of the Ghanaian Student. Eur J Educ Stud. 2015;7:88-101.*
14. Press Information Bureau Government of India Ministry of Statistics & Programme Implementation. Key Indicators of Household Social Consumption on Education In India NSS 75TH Round. PIB Delhi; 2018.
15. UNESCO. UNESCO Rallies International Organizations, Civil Society and Private Sector Partners in a Broad Coalition to Ensure #LearningNeverStops. UNESCO; 2020b. Available from: https://en.unesco.org/news/unesco-rallies-international-organizations-civil-society-and-private-sector-partners-broad
16. UNESCO Report. Online Education implemented during COVID-19 are not inclusive. UNESCO; 2020. Available from: https://www.duupdates.in/unesco-report-2020-online-educationimplemented-during-covid-19-are-not-inclusive.
17. United Nations. Policy Brief: The Impact of COVID-19 on Children. 2020.
18. UNRWA. Supporting Palestine Refugee Children With A Disability During Covid-19. 2020. Available from: Supporting Palestine Refugee Children with a Disability During COVID-19 | UNRWA
19. Bao W. COVID-19 and online teaching in higher education: A case study of Peking University. *Hum Behav Emerg Technol*. 2020;2:113-115. doi:10.1002/hbe2.191
20. Wajdi MBN, Kuswandi I, Al Faruq U, Zulhijra Z, Khairudin K, Khoiriyah K. Education Policy Overcome Coronavirus, A Study of Indonesians. *J Educ Technol*. 2020;3:96-106.
21. Woday A, *et al*. Psychological Impacts of COVID-19 among College Students in Dessie Town, Amhara Region, Ethiopia; Cross-Sectional Study. *Women's Health during the COVID-19 Lockdown*. 2020. p. 1-16.